CEDSI
CENTRE OF EXCELLENCE FOR DAIRY SKILLS IN INDIA

CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

कर्नाटक जूनोटिक रोगों पर ध्यान देने के साथ वन हेल्थ पायलट की मेजबानी करेगा

कर्नाटक उन दो राज्यों में से एक होगा जहां 'एक स्वास्थ्य' कार्यक्रम का संचालन किया जाएगा, दूसरा राज्य उत्तराखंड होगा। 28 जून को लॉन्च होने के लिए सेट, पायलट का उपयोग राष्ट्रीय वन हेल्थ फ्रेमवर्क विकसित करने के लिए किया जाएगा, जो भारत सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएएचडी) द्वारा शुरू की गई वन हेल्थ सपोर्ट यूनिट (ओएचएसयू) का एक प्रमुख उद्देश्य है।

फ्रेमवर्क का उद्देश्य डेटा साक्ष्य की गुणवत्ता, उपलब्धता और उपयोगिता में वृद्धि के माध्यम से जूनोटिक रोगों के प्रारंभिक पूर्वानुमान, पता लगाने और निदान पर राष्ट्रीय और राज्य-स्तरीय संसाधन आवंटन और नीति पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार करना है।

उत्तराखंड में पायलट को अप्रैल में लॉन्च किया गया था। पीएससी की सिफारिशों के आधार पर, उत्तराखंड और कर्नाटक में पायलट के लिए छह हस्तक्षेपों की योजना बनाई गई है।

दूधसागर डेयरी ने 321 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड-तोड़ लाभ की घोषणा की

Dudhsagar
The Pride of India

मेहसाणा जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ लिमिटेड (एमडीसीएमपीयू), जो उत्तरी गुजरात के मेहसाणा में दूधसागर डेयरी का प्रबंधन करता है, ने अपने 60 वर्षों के अस्तित्व में पहली बार 321 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड लाभ का दावा किया। दुग्ध उत्पादकों को वितरित किया जाने वाला यह लाभ पिछले वर्ष की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक है।

दूधसागर डेयरी के चेयरमैन अशोक चौधरी ने कहा, 'हमने दूधसागर डेयरी के 60 साल के इतिहास में पहली बार 321 करोड़ रुपये का मुनाफा हासिल किया है। कंपनी ने पिछले साल 105 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था।'

एमडीसीएमपीयू (MDCMPU) की स्थापना 1960 में हुई थी और यह अमूल, सागर और दूधसागर ब्रांडों के तहत दूध और दूध उत्पादों का विपणन करता है। यह गुजरात में 18 दुग्ध सहकारी संघों में से एक है।

जम्मू, एपी एंड एफडब्ल्यू निदेशक ने चारा विकास योजना, डेयरी क्षेत्र के एफपीओ के गठन पर चर्चा की

निदेशक कृषि उत्पादन और किसान कल्याण, जम्मू, केके शर्मा ने "एक जिला एक उत्पाद" (ओडीओपी) परियोजना के तहत डेयरी क्षेत्र में किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के गठन पर चर्चा करने के लिए कृषि भवन में जम्मू संभाग के प्रमुख डेयरी किसानों के साथ एक बैठक बुलाई।

बैठक में चारे की खेती के तहत क्षेत्र विस्तार पर भी चर्चा की गई। चारा विकास योजना के क्रियान्वयन के रोड मैप पर चर्चा करते हुए निदेशक ने गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पादन के लिए दुधारू पशुओं को खिलाने के लिए साइलेज बनाने के लिए हरा चारा उत्पादन के तहत क्षेत्र विस्तार की आवश्यकता पर बल दिया।

निदेशक ने डेयरी किसानों को सहकारी अधिनियम के तहत पंजीकरण के बाद एफपीओ के गठन के माध्यम से संगठित होने की सलाह दी, ताकि ग्राहक के दरवाजे पर गुणवत्तापूर्ण दूध और अन्य प्रसंस्कृत उत्पादों के कुशल विपणन के अलावा बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जा सके।

कर्नाटक ने किसान योजनाओं के लिए सॉफ्टवेयर की शुरुआत की, ताकि रियायतों के वितरण में तेजी लाई जा सके

यह सुनिश्चित करने के लिए कि किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत वितरित लाभों तक आसानी से पहुंच प्राप्त हो, कर्नाटक सरकार ने योजनाओं के लिए आधार-आधारित, एकल-खिड़की पंजीकरण के लिए सॉफ्टवेयर लॉन्च किया है। राज्य सरकार के कृषि विभाग, बागवानी, पशुपालन, राजस्व, खाद्य, नागरिक आपूर्ति और मत्स्य पालन विभाग इस पहल के तहत शामिल हैं।

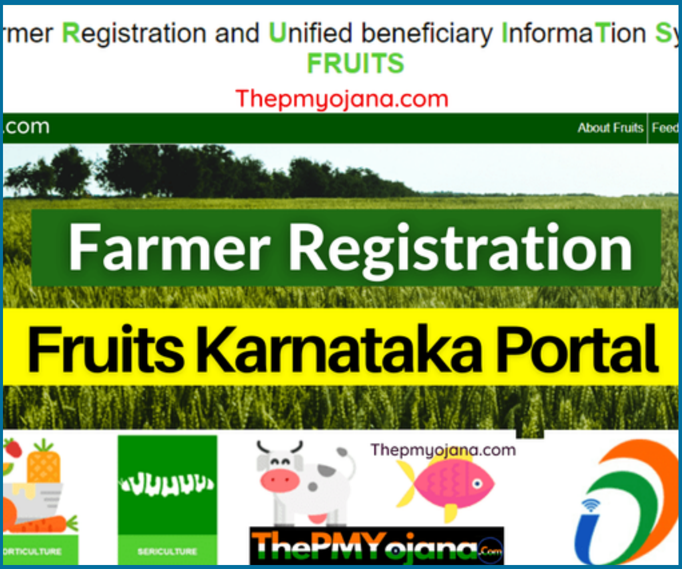

किसान पंजीकरण और एकीकृत लाभार्थी सूचना प्रणाली या एफ-आर-यू-आई-टी-एस सॉफ्टवेयर, स्वामित्व को प्रमाणित करने के लिए आधार कार्ड और कर्नाटक की भूमि डिजीटल भूमि रिकॉर्ड प्रणाली का उपयोग करके एकल पंजीकरण की सुविधा प्रदान करता है।

एफ-आर-यू-आई-टी-एस के माध्यम से एकल डिजिटल पहचान के निर्माण के माध्यम से, किसान पीएम किसान के तहत प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए भुगतान, विशेष वित्तीय सहायता, जाति प्रमाण पत्र प्रमाणीकरण और राशन कार्ड जैसी योजनाओं के लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

"सॉफ्टवेयर विभिन्न विभागों को एक मंच के तहत किसानों के बारे में जानकारी तक पहुंचने की अनुमति देता है, जो योजनाओं के कार्यान्वयन में बेहतर लक्ष्यीकरण और प्रभावशीलता सुनिश्चित करता है," शकील अहमद, संयुक्त निदेशक - बागवानी, कर्नाटक।

आविन ने शोलिंगनल्लूर डेयरी में लंबे समय तक चलने वाले दूध का उत्पादन शुरू किया

आविन ने तमिलनाडु राज्य के प्रमुख शहरों में 120 दिनों के शेल्फ जीवन के साथ मानकीकृत दूध बेचना शुरू कर दिया है।

चेन्नई में शोलिंगनल्लूर डेयरी में स्टरलाइज़िंग और पैकिंग उपकरण, एक दिन में 10,000 लीटर दूध पैक करता है। 4.5% वसा और 8.5% ठोस-गैर-वसा वाला दूध आधा लीटर के पैक में आता है, जिसकी कीमत 30 रुपये है।

यह दूध, जो पहले टेट्रा पैक में बनता था, अब नियमित दूध के पाउच के समान पैक में उपलब्ध कराया जा रहा है। पैक सड़न रोकनेवाला है और इसमें चार परतें हैं। वे दूध के अन्य प्रकार भी पेश करने की योजना बना रहे हैं, जिसमें लोकप्रिय 3% वसा वाला दूध भी शामिल है।

हालांकि नियमित दूध पैक से थोड़ा अधिक कीमत, इसे प्रशीतन या कोल्ड चेन के रखरखाव की आवश्यकता नहीं होती है और इसलिए, बिजली की बचत होती है। चूंकि पैक मोटा होता है, इसलिए लीक से आसानी से बचा जा सकता है। तमिलनाडु कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स फेडरेशन के लोकप्रिय ब्रांड आविन ने अब यूएचटी दूध के निर्माण और बिक्री को बढ़ाकर एक लाख पैकेट प्रतिदिन करने की योजना बनाई है।

कृषि तकनीक में ई-कॉमर्स को सक्रिय करने के लिए ओएनडीसी ने नाबार्ड के साथ भागीदारी की।

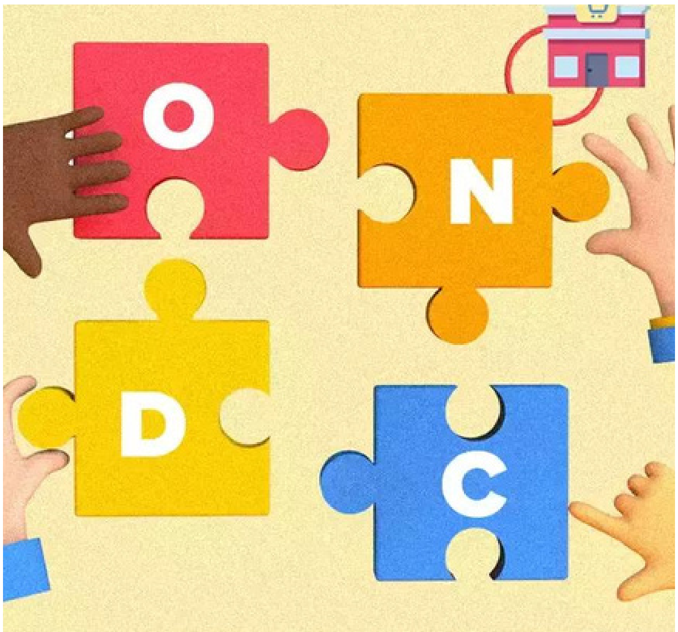

डिजिटल कॉमर्स के लिए नवनिर्मित ओपन नेटवर्क (ONDC) नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (NABARD) के साथ साझेदारी में कृषि क्षेत्र में ई-कॉमर्स को सक्रिय करने के लिए काम कर रहा है।

डोमेन में ओएनडीसी सक्षमता को चलाने के लिए पहली पहल के रूप में, ओएनडीसी और नाबार्ड नाबार्ड-ओएनडीसी ग्रैंड चैलेंज की मेजबानी करने के लिए एक साथ आए हैं, जिसका उद्देश्य देश में बाजार के लिए तैयार किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के साथ सक्षम खिलाड़ियों के लिए बाजार संबंध स्थापित करना है। इसका उद्देश्य उन नवीन समाधानों के विकास को बढ़ावा देना है जो कृषि क्षेत्र में ई-कॉमर्स को अपनाने में सहायता कर सकते हैं।

ओएनडीसी के सीईओ टी कोशी ने नाबार्ड - ओएनडीसी हैकथॉन को बताया, उनके पास 400 से अधिक संस्थाएं पंजीकृत हैं, जिनमें से लगभग 250 एग्री-टेक स्टार्टअप हैं जबकि 150 गैर-एग्री टेक स्टार्टअप हैं। कृषि तकनीकी संस्थाओं में निंजाकार्ट, एगमार्ट, जॉन डीरे, अरुण डेयरी फार्म और उद्यमी किसान एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड शामिल हैं।

मध्य प्रदेश सरकार मुर्राह भैंस खरीदने के लिए 75% तक सब्सिडी प्रदान कर रही है

मध्य प्रदेश सरकार ने घोषणा की कि वह डेयरी किसानों को मुर्रा भैंस खरीदने के लिए सब्सिडी प्रदान करेगी।

फिलहाल यह योजना राज्य के तीन जिलों रायसेन, विदिशा और सीहोर में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू की जाएगी। धीरे-धीरे इसे पूरे राज्य में लागू किया जाएगा। इस योजना के तहत सरकार किसानों को मुर्रा भैंस 50 प्रतिशत सब्सिडी पर उपलब्ध कराएगी। वहीं, एससी-एसटी किसानों के लिए यह सब्सिडी राशि बढ़कर 75 प्रतिशत हो जाएगी। गौरतलब है कि हरियाणा की मुर्रा भैंस नस्ल की एक भैंस की कीमत करीब 1 लाख रुपये है। मुर्राह भैंस अपनी दूध उत्पादन क्षमता के कारण बहुत लोकप्रिय है। इससे रोजाना करीब 12 से 13 लीटर दूध मिलता है। इस सब्सिडी की मदद से किसान सिर्फ 50,000 रुपये में इन भैंसों को खरीद सकेंगे।

मुर्रा भैंस खरीदने वाले किसानों को कुछ नियमों का पालन करना होता है। इन भैंसों को खरीदने के बाद इन्हें कम से कम 5 साल तक रखना अनिवार्य है। राज्य सरकार की सब्सिडी योजना के तहत मुर्राह भैंस खरीदने वाले किसानों को भी छह महीने तक भैंस को चारा खिलाने के लिए चारा मिलेगा । यह अतिरिक्त सुविधा प्रदान की जाती है ताकि उन्हें जानवरों की देखभाल करने में किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। साथ ही किसानों को बीमा, परिवहन की सुविधा भी प्रदान की जाएगी।

Skill India
कौशल भारत - कुशल भारत

ASCI
Agriculture Skill Council of India

CEDSI
CENTRE OF EXCELLENCE FOR DAIRY SKILLS IN INDIA

FPO

एफपीओ की स्थिरता की ओर एक कदम – सीईडीएसआई

सीईडीएसआई ने एएससीआई के सहयोग से एफपीओ सदस्यों के लिए क्षमता निर्माण मॉड्यूल तैयार किया है। यह मॉड्यूल एफपीओ सदस्यों को स्थायी तरीके से काम करने में मदद करेगा। सीईडीएसआई कृषि, डेयरी और संबद्ध क्षेत्रों के लिए सभी कौशल विकास गतिविधियों की सुविधा प्रदान करता है। हम एफडब्ल्यूडब्ल्यूबी, आईजीएसएसएस और नाबार्ड के लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित करते रहे हैं।

सामान्य जानकारी के लिए कार्यक्रम परिव्यय संलग्न है:

- मॉड्यूल 1: एफपीओ की अवधारणा और शासन
- मॉड्यूल 2: एफपीओ वैधानिक प्रावधान और कानूनी अनुपालन के रूप
- मॉड्यूल 3: एफपीसी के लिए बाजार, विपणन और बाजार संपर्क
- मॉड्यूल 4: एफपीसी के व्यवसाय विकास के लिए संसाधन योजना
- मॉड्यूल 5: वित्त तक पहुंच
- मॉड्यूल 6: एफपीसी के लिए व्यवसाय विकास योजना
- मॉड्यूल 7: एफपीओ गवर्नेंस
- मॉड्यूल 8: एफपीओ लेखांकन

एफपीओ सदस्यों को कौशल प्रशिक्षण देने के लिए **info@cedsi-in** पर संपर्क करें।

Centre of Excellence for Dairy Skills in India

Join Our Membership Drive and Get Benefits of

- Platform to interact with other members in the sector
- Networking opportunities with corporate leaders and government authorities
- Special costs of training in Skill India Certified Programmes
- Access to our Journal and Publications
- Expert advice in day-to-day operations and management of livestock /farm productions
- Free registration on the job portal and regular updates on job vacancies in the sector
- Recognize your organization with CEDSI Yearly Awards and Recognition
- Chance to reach across the board through advertising in our press releases, news and articles
- Consultative and advisory services to help members
- Consulting and advisory services to help members
- Periodic e-newsletter for the latest news, govt. announcement and schemes in dairy sectors
- Updates on training programs of CEDSI and access to the training calendar

Who Can Become a Member -

Corporates/ Cooperatives

NGO's/CSR Foundations

Dairy Farmers

Students

Professional

www.cedsi.in @cedsi_india